Ans. (b) – आनंदविलास की रचना महाराजा जसवंत सिंह ने की थी। महाराजा जसवंत सिंह मारवाड़ के शासक थे। इन्होंने सिद्धान्त बोध तथा भाषाभूषण की भी रचना की थी।

645. निम्न में से कौनसी रचना ईसरदास की नहीं है-

(a) हरिरस (b) राग कैला
(c) सभा पर्व (d) चन्द्र प्रबोध

JEN Mechanical Degree (Tsp Area)16.10.2016

Ans. (d) – ईसरदास राजस्थान के एक महान भक्त कवि थे। राजस्थानी जनमानस में ईसरदास का नाम बड़ी श्रद्धा और आस्था से लिया जाता है। 'हरिरस', 'हाला, झाला री कुंडलियां', 'रास कैला', 'सभा पर्व', 'बाल लीला', 'देवियाण', 'गरुण पुराण' आदि ईसरदास की प्रमुख रचनाएँ हैं। जबकि 'चन्द्र प्रबोध' जसवंत सिंह की रचना है।

646. 'बैधकसार' तथा 'पूजा पद्धति' पुस्तकों की रचना किसने की?

(a) अजीत सिंह (b) अभय सिंह
(c) जोरावर सिंह (d) गज सिंह

JEN Civil Diploma 21.08.2016

Ans. (c) – 'बैधकसार' तथा 'पूजा पद्धति' पुस्तकों की रचना 'जोरावर सिंह' ने की थी।

647. 'राजपूत जीवन सन्ध्या' उपन्यास लिखा है-

(a) केसरीनाथ (b) अवनीन्द्रनाथ
(c) रमेश चन्द्र दत्त (d) कन्हैयालाल

JEN Civil Diploma (Tsp Area) 16.10.2016

Ans. (c) – 'राजपूत जीवन सन्ध्या' उपन्यास के लेखक रमेश चन्द्र दत्त हैं। उन्होंने 1899 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लखनऊ में हुए 15वें अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।

648. 'नृत्य रत्न कोष' की रचना किसने की -

(a) कुम्भा (b) मण्डन
(c) सोम (d) जगजीवन

JEN Civil Diploma (Tsp Area) 16.10.2016

Ans. (a) – नृत्यरत्नकोश मेवाड़ाधिपति महाराणा कुम्भा की सुप्रसिद्ध कृति संगीतराज का एक भाग है। संगीतराज में नृत्यरत्नकोश (जो कि ग्रन्थ का चतुर्थ कोश है) के अतिरिक्त पाठ्यरत्नकोश, वाद्यरत्नकोश, रसरत्नकोश और गीतरत्नकोश भी शामिल हैं।

649. 'नहीं जानते कि इतना बड़ा मुद्रित ग्रन्थ भारत की ही क्या जगत की किसी भाषा में है या नहीं' उपर्युक्त कथन किस ग्रन्थ के बारे में कहा गया है-

(a) राग रत्नाकर (b) राग कल्पद्रुम
(c) वंश भास्कर (d) श्रृंगार हार

JEN Mechanical Degree (Non TSP Area) 21.8.2016

Ans. (b) – 'नहीं जानते कि इतना बड़ा मुद्रित ग्रन्थ भारत की ही क्या जगत की किसी भाषा में है या नहीं' यह कथन 'राग कल्पद्रुम ग्रंथ' के बारे में कहा गया है। राग कल्पद्रुम की रचना मेवाड़ निवासी कृष्णानन्द व्यास ने की थी। इस ग्रंथ (पुस्तक) का महत्व संगीत के साथ-साथ हिन्दी साहित्य में भी है। कृष्णानंद व्यास की रचनाएं ''राग रत्नाकर'' में संगृहीत है। ''वंश भास्कर'' की रचना चारण कवि सूर्यमल्ल मिश्रण द्वारा की गई है। 'श्रृंगार हार' ग्रंथ के लेखक हम्मीर देव चौहान हैं।

650. 'मंत्र राजप्रकाश' किस संत के आध्यात्मिक विचारों का संकलन है-

(a) संत लाल दास (b) संत सुंदरदास
(c) संत चरणदास (d) संत हरिदास

JEN Mechanical Degree Exam Date : 21.8.2016

Ans. (d) – 'मंत्र राजप्रकाश' संत हरिदास के आध्यात्मिक विचारों का संकलन है। 'हरिपुरूष जी की वाणी' में भी इनके उपदेश संग्रहित हैं। हरिदास जी का मूल नाम हरि सिंह था। इन्होंने निर्गुण भक्ति का उपदेश देकर निरंजनी संप्रदाय चलाया था। इन्हें कलियुग का वाल्मीकि भी कहते है। इनके प्रमुख ग्रंथ विरदावली भरथरी संवाद और साखी है।

651. चारण साहित्य का प्रसिद्ध ग्रंथ सूरज किसके द्वारा लिखा गया?

(a) शिवदान (b) सागरदान
(c) करणीदान (d) गाडन

हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018

Ans. (c) – राजस्थानी साहित्य के प्रमुख प्रकारों में 'चारण साहित्य' का महत्वपूर्ण स्थान रहा है जिसमें वीर रस एवं पद्य शैली की अधिकता मिलती है। चारण साहित्य के प्रसिद्ध ग्रंथ 'सूरज प्रकाश' को करणीदान ने लिखा है जिसमें जोधपुर के राठौर वंश की घटनाओं का वर्णन है।

652. 'संगत रासो' के लेखक है-

(a) नरपति नाल्ह (b) गिरधर आसिया
(c) दलपत विजय (d) जोधराज

VDO-2021 Exam Date 28.12.21 Shift-III

Ans. (b) – 'संगत रासो' गिरधर आसिया कृत रासों काव्य है। इसमें शक्ति सिंह व उनके वंशजों का जीवनवृत्त वर्णित है।

653. मुंशी देवीप्रसाद ने किसको ''राजस्थान का अबुल फजली'' की संज्ञा दी है।

(a) मुहणोत नैणसी (b) सूर्यमल्ल मिश्रण
(c) कन्हैयालाल सेठिया (d) विजयदान देथा

फायरमैन सीधी भर्ती परीक्षा-2021 (Ex. Dt. 29-01-2022)

Ans. (a) – मुहणोत नैणसी को 'राजस्थान का अबुल फजल' कहा गया है, क्योंकि जिस तरह अकबर की सेवा में रहकर अबुल फजल ने अकबरनामा लिखी थी, उसी प्रकार मुहणोत नैणसी ने भी जोधपुर महाराज जसवन्त सिंह की सेवा में रहते हुए 'नैणसी की ख्याल' लिखी थी। 1670 ई. को जेल में इन्होंने आत्महत्या कर ली थी।

654. 'हम्मीर हठ' के लेखक थे-

(a) करणीदान (b) सदाशिव भट्ट
(c) चन्द्रशेखर (d) नयनचन्द्र सूरी

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)

Ans. (c) – 'हम्मीर हठ' के लेखक चन्द्रशेखर है।

655. राजस्थान के प्रसिद्ध लेखक दयालदास को संरक्षण देने वाले शासक थे-

(a) महाराजा जसवंतसिंह (b) महाराजा रतनसिंह
(c) राव अनूपसिंह (d) राव करणसिंह

अन्वेषक सीधी भर्ती परीक्षा 2019 (Ex. Dt. 27-12-2020)